

प्रेषक,

मनीषा पंवार,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

उप महानिदेशक,  
एन0सी0सी0 निदेशालय,  
बंगला नं0 पी0-4 नागनाथ रोड़,  
घघोड़ा कैन्ट, देहरादून, उत्तराखण्ड।

माध्यमिक शिक्षा अनुभाग-3

देहरादून दिनांक: 04 जनवरी, 2011

विषय:

वित्तीय वर्ष 2010-11 में राष्ट्रीय छात्र सेना दल (एन0सीसी0) की विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु प्रथम अनुपूरक अनुदानों की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक प्रमुख सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन के पत्र संख्या: 542/XXVII(1)/2010; दिनांक: 04 अक्टूबर, 2010 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 में राष्ट्रीय छात्र सेना दल (एन0सीसी0) की विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु प्रथम अनुपूरक मांग के माध्यम से संलग्नक में उल्लिखित विवरणानुसार अनुदान संख्या: 11 के आयोजनेत्तर पक्ष में प्राविधानित रू0 1100000.00 (रूपये ग्यारह लाख मात्र) की धनराशि को इस प्रतिबन्ध के साथ आपके निर्वतन पर रखने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं कि आहरण-वितरण अधिकारी द्वारा सरकारी सेवकों एवं गैर सरकारी सेवकों हेतु बचनबद्ध मदों में यथा वेतन, मंहगाई भत्ता, अन्य भत्ते, विद्युत देय, जलकर/जलप्रभार, टेलीफोन पर व्यय, किराया, उपशुल्क एवं कर स्वामित्व, चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति, व मंहगाई वेतन आदि आवश्यक मदों पर ही नियमानुसार व्यय किया जायेगा। उक्त मदों से भिन्न मदों की स्वीकृतियों के प्रस्ताव पूर्ण औचित्य सहित शासन की स्वीकृति हेतु प्रस्तुत किये जायेंगे। •

2. स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष व्यय केवल स्वीकृत चालू योजनाओं पर ही नियोजन विभाग द्वारा आवंटित परिव्यय की सीमा तक किये जाने का दायित्व आपका होगा और किसी भी दशा में इस धनराशि का उपयोग चालू वर्ष की नई मदों के क्रियान्वयन हेतु नहीं किया जायेगा। उक्त स्वीकृत धनराशि का व्यय वर्तमान वित्तीय नियमों/शासनादेशों के तहत निम्नलिखित शर्तों के अधीन किया जायेगा :

1. योजनाओं की विभिन्न मदों पर व्यय शासन के वर्तमान नियमों एवं आदेशों के अनुरूप ही किया जायेगा तथा जहां आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की पूर्व सहमति/स्वीकृति प्राप्त की जायेगी।
2. यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि उक्त स्वीकृत धनराशि को किसी ऐसी मद पर व्यय न किया जाय जिसके लिए वित्तीय हस्तपुस्तिका तथा बजट मैनुवल के

वर्ष



- नियमों के अन्तर्गत अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता हो।
3. अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत व्यय कदापि न किया जाय और इस प्रकार चालू वित्तीय वर्ष की देनदारी अगले वर्ष के लिए कदापि न छोड़ी जाय।
  4. आवंटनों के अनुसार आहरित व्यय के विवरण निर्धारित तिथि तक शासन को अवश्य उपलब्ध करा दिये जाय।
  5. मितव्ययता के सम्बन्ध में जारी किये गये शासनादेशों अथवा भविष्य में जारी होने वाले शासनादेशों का विशेष रूप से पालन किया जायेगा।
  6. व्यय संबंधी जो भी बिल कोषाधिकारी को भुगतान हेतु प्रस्तुत किये जाय उनमें लेखाशीर्षक के साथ-साथ अनुदान संख्या का भी उल्लेख किया जाय।
  7. स्वीकृत धनराशि को जिलावार फॉट संबंधित जिलों एवं शासन को तीन दिन के भीतर उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय।
  8. वित्तीय वर्ष 2010-11 में इसके पूर्ववर्ती वर्षों के एरियर भुगतान आदि कोई हो, के विवरण की सूचना अलग से रखी जाय।
  9. अप्रैल, 2010 से नये पदों के भरे जाने के फलस्वरूप होने वाले व्यय के सापेक्ष श्रेणीवार पदों ("क" "ख" "ग" "घ") की सूचना रखी जाय।
  10. व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुवल, वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो, उनमें व्यय करने के पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
  11. निर्माण पर व्यय करने से पूर्व प्रत्येक कार्य के आगणनों/पुनरीक्षित आगणनों पर प्रशासकीय एवं वित्तीय अनुमोदन के साथ-साथ विस्तृत आगणनों पर सक्षम अधिकारी की टैक्निकल स्वीकृति भी अवश्य प्राप्त कर ली जाय। निर्माण कार्यों की लक्ष्य के अनुसार भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की समीक्षा/अनुश्रवण अनिवार्य रूप से किया जाय।
  12. किसी अनुदान के अन्तर्गत प्राविधानित धनराशि का बगैर शासन की सहमति के किसी भी प्रकार से पुनर्विनियोग पर पूर्ण प्रतिबन्ध है।
  13. बजट मैनुवल के विभिन्न प्रपत्रों के माध्यम से भेजी जानी वाली सूचना समय से उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय।
  14. वाह्य सहायतित परियोजनाओं, अनुसूचित जातियों के लिए स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान तथा अनुसूचित जनजातियों के लिए ट्राइबल सबप्लान के अन्तर्गत आवंटित परिव्यय के सापेक्ष बजट प्राविधान को अन्य योजना हेतु व्यावर्तित न किया जाय।
  15. किसी भी शासकीय व्यय हेतु उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008, वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन) वित्तीय नियम संग्रह पांच भाग-1 (लेखा नियम) आय-व्यय संबंधी नियम (बजट मैनुवल) तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेशों आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
2. इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 के प्रथम अनुपूरक अनुदानों द्वारा प्राविधानित धनराशि को अनुदान संख्या-11 के अधीन लेखाशीर्षक 2202-सामान्य शिक्षा, 80-सामान्य के अधीन संलग्नक में उल्लिखित संबंधित व्यौरेवार शीर्षक सुसंगत प्राथमिक इकाइयों के नामें डाला जायेगा।

आ/

3- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या: 404 (NP)/XXVII(3)/2010 दिनांक: 31 दिसम्बर, 2010 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किया जा रहा है।

भवदीया

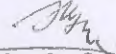
(मनीषा पंवार)  
सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 2220(I)/XXIV-3/10/02(36)2010 तददिनांक।

प्रतिलिपि- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड।
3. निजी सचिव, मा० शिक्षा मंत्री, उत्तराखण्ड।
4. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
5. निजी सचिव, सचिव, विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड शासन देहरादून।
6. आयुक्त, कुमायूँ मण्डल, नैनीताल/गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
7. समस्त जिलाधिकारी उत्तराखण्ड।
8. समस्त कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
9. समस्त जिला शिक्षा अधिकारी, उत्तराखण्ड।
10. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय।
11. वित्त विभाग/नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड शासन।
12. कम्प्यूटर सेल (वित्त विभाग) उत्तराखण्ड शासन।
- ✓ 13. एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर देहरादून।
14. शिक्षा अनुभाग 2,4, एवं 5 उत्तराखण्ड शासन।
15. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

  
(जी०पी०तिवारी)  
अनुसचिव।





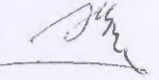
शासनादेश संख्या: 2220 / XXIV-3/10/02(36)10, दिनांक: 04 जनवरी, 2011 का संलग्नक।

( धनराशि हजार रूपयों में )

क्र.सं.	लेखाशीर्षक मानक मद	आयोजनागत	आयोजनेत्तर
राजस्व लेखा	अनुदान संख्या : 11		
2202-	सामान्य शिक्षा		
80-	सामान्य		
800-	अन्य व्यय		
04-	राष्ट्रीय छात्र सेना दल		
	05 स्थानान्तरण यात्रा व्यय	-	100
	16 व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान	-	500
	17 किराया, उपशुल्क और कर-स्वामित्व	-	500
	योग, 04	-	1100
	योग, 800	-	1100
	योग, 80	-	1100

कुल योग = रू0 1100 हजार (रूपयें ग्यारह लाख मात्र)

अभि



(जी०पी०तिवारी)  
अनुसचिव।